Vidya Bhawan Balika Vidyapeeth
Shakti utthan Ashram Lakhisarai

ONLINE STUDY MATERIAL BASED ON NCERT

Class - XII , Subject - MUSIC by P.SARKAR

End

गंभीर रागों की चलन मंद्र और मध्य सप्तक के पूर्वांग में तथा चंचल रागों की चलन मध्य सप्तक के उत्तरांग और तार सप्तक में अधिक होती है।

राग की रंजकता बढ़ाने के लिए कभी-कभी अन्य रागों की छाया दिखाई जाती है, जिसे तिरोभाव-आविर्भाव कहते हैं। यह क्रिया किसी भी राग के लिए अनिवार्य नहीं है।

Edit with WPS Office